गरीबी से ऊपर उठने के साधारण सूत्र

Simple formula to uplift from poverty

सफलता कतार में खड़े इंसानों को नहीं मिलती, बल्कि कतार को तोड़कर ऊँची छलांग लगाने वालों को मिलती है।

—राम बजाज

मांग और पूर्ति की भाषा अगर बचपन में ही सीख ली जाये तो अमीरी कितनी दूर होगी!

—राम बजाज

जीवन के कुरुक्षेत्र में खड़े इंसान के पास पैसा और साधन नहीं होता, परन्तु प्रतिभा और साहसी निर्णय की क्षमता तो सभी के पास होती है।

—राम बजाज

हर बच्चा या इंसान पैदाइशी तो अमीर या गरीब नहीं होता। अमीर या गरीब सिर्फ उनकी सोच की पैदाइश है। आपका बच्चा, जो 99.99,99 फीसदी के स्तर का है, अगर उसको इस चक्र से बाहर निकलने का रास्ता नहीं दिखाएँगे तो बाहर आकर अमीरी वाले स्तर पर कहाँ और कैसे चलेगा? आपकी सोच को वहाँ केन्द्रित करना होगा कि आपकी कक्षा अथवा बचपन के साथियों में से सिर्फ 00.0001 फीसदी साथी ने आपसे 10 गुना ज्यादा सफलता और पैसा पाया है। आखिर उसमें ऐसी क्या

बात थी जो आप में नहीं थी? आप पायेंगे कि सभी बातों में आपका साथी आपके बराबर था परन्तु कामयाबी की दौड़ में वह आपसे दस गुना ज्यादा आगे निकल गया। इसकी खास वजह क्या रही? उसका एकमात्र कारण है उसकी रचनात्मक सोच, जो आपसे दस गुणा ज्यादा थी। उसकी कल्पनाशक्ति, जिससे वह वर्तमान के साथ-साथ भविष्य की कल्पना-शक्ति से अपनी सोच को तथा काम को कीमती बना देता है।

गरीब बच्चे व इंसान अपने वर्तमान को देखकर कार्यप्रणाली तय करते हैं। वे सिर्फ वर्तमान को देखते हैं। ऐसे लोग सिर्फ वर्तमान को ही देख पाते हैं। वे भविष्य को देखते ही नहीं। आपका साथी, जो कामयाबी की राह पर बहुत आगे बढ़ गया है, उसने अपनी जिन्दगी में इस मूलभूत सिद्धान्त को अपना लिया है। आपके पास क्या नहीं है उसको नहीं देखें, बल्कि इसको देखें और सोचें कि भविष्य में आपके पास क्या होगा और कैसे होगा? इस बात का जवाब आप खोज लेंगे तो आप और आपका बच्चा कामयाबी के रास्ते पर आगे से आगे बढ़ने लग गये हैं—इसका एहसास होने लगेगा। आप अपनी कल्पनाशक्ति और आत्मविश्वास को विस्तार देकर यह नहीं देखें कि क्या है? बल्कि यह भी देखें कि और अधिक क्या और कैसे कामयाबी प्राप्त की जा सकती है?

गरीबी से ऊपर, अमीरी की ओर जाने का उपाय नं. 1

रचनात्मक तरीकों से सस्ता खरीदें और महँगा बेचें।
By the creative methods, purchase on low price but sale on higher price.

इस नुस्खे को अपनाने के लिए आपको निष्ठा, ईमानदारी, विश्वसनीयता की कसौटी पर खरा उतरना पड़ेगा। अगर ये गुण आपकी जिन्दगी में हैं तो आप छोटी से छोटी वस्तु को ज्यादा से ज्यादा बेचकर अधिक मुनाफा कमा सकते हैं।

रचनात्मक तरीके व उपाय यही हैं कि किसी भी एक काम को करने के नए और सुधरे हुए तरीके खोजना। हर जगह सफलता इसी बात में छुपी होती है कि आप चीजों को बेहतर तरीके से करने के उपाय किस तरह खोजते हैं, फिर चाहे वह सफलता घर में हो; काम-धन्धों में हो या समाज में हो।

रचनात्मक उपाय का सबसे बड़ा दुश्मन है पारंपरिक रूढ़िग्रस्त उपाय। पारंपरिक उपाय और सोचने के तरीकों को हटाकर रचनात्मक तरीकों से सफल होना सीखें। कुछ मुल्कों में खाने–पीने की वस्तुओं में मिलावट का बड़ा बोलबाला है। अगर आप निष्ठा, ईमानदारी, विश्वसनीयता से किसी भी आइटम को हाथ में लेकर, सस्ते में खरीदकर अपने रचनात्मक उपाय से थोड़ा महँगे में बेचने की शिक्षा अपने बच्चे को देंगे तो वह दिन ज्यादा दूर नहीं होगा कि आप और आपके बच्चे अमीरी के स्तर की ओर बढ़ रहे होंगे।

दूध, घी, मिर्च–मसाले आदि खाद्य वस्तुएं पास के उपनगरीय इलाकों से खरीदते हुए रचनात्मक तरीकों से नगरीय क्षेत्र में बेचने के सुधरे उपाय, समय के साथ कर लें तो आप गरीबी के स्तर से ऊपर उठने के उपाय सीख लेंगे। इसके लिए आपको साझेदारी में अथवा आदमी की सेवाओं को खरीदकर रचनात्मक तरीकों का इस्तेमाल करना होगा। जिसके लिए आपको दुनिया की विपरीत धारा में चलना होगा।

जिज्ञासा (Curiosity) ही इंसान को बुलन्दियों पर पहुंचाती है।

—राम बजाज

गरीबी से अमीरी के स्तर पर जाने का उपाय नं. 2

रचनात्मक तरीकों से विशेषज्ञ की सेवाएं खरीदें और बेचें
By the creative methods purchase the services of the experts & sale the services

अपने–अपने क्षेत्र के विशेषज्ञों की भरमार आज कहाँ नहीं है। हिन्दुस्तान में तो इन विशेषज्ञों की कमी नहीं होने के कारण—ये विशेषज्ञ अपनी सेवाएं—बाहर के देशों में जाकर बेच रहे हैं। अगर आप में रचनात्मक उपाय व तरीके हैं तो आप इन विशेषज्ञों की सेवाएं सस्ते में खरीदकर महंगे में बेचने की योजना किसी भी क्षेत्र (Field) में ले सकते हैं।

यहाँ शिक्षा क्षेत्र के सम्बन्ध में इतना ही कहा जा सकता है कि स्कूली शिक्षा का ज्ञान हमें स्कूलों में प्राप्त ही नहीं होने के कारण प्राइवेट क्षेत्र में रचनात्मक तरीके से अगर विशेषज्ञों की सेवाएं लेकर इंसान अगर महँगे में बेचने की योजना बना सकता है तो इस क्षेत्र में गरीब शिक्षित इंसान व